व कग ट ू ए पावर

एच.आई.वी का र के र से स पक ारा संचरण

लेखक: एलेअनोर त बुल

ूमन इ मुनोदे फ़ कए य् वाइरस (एच.आई.वी) वह वषाणु है जो र तथा शर र के अ य वो जैसे वीय और योनिक वो म पाया जाता है। यह वषाणु र म पायी जाने वाली सी. द४ कोशिकाओं को ख़राब करता है , जो हमारे तिरा ी तं का ह सा ह। एच.आई.वी क उप थति से , सी.ड ४ कोशिकाएं क जूर व न हो जाती ह, जससे तिर ी तं ठ क से काम नह ं करता और एच.आई.वी सित लोग को रोग और छूत क बीमा रयाँ ज द और अधिक गंभीरता से हो जाती ह। और इसके कारण मनु य म अ वायड इ यु दे फशसी सिं ोम (**ए स)** वकसित होता है। वषाणु यादा समय तक प रचारक, जैसे शर र के बना नह ं जी वत रह सकता। इसलिए एच.आई.वी से सं मित र व शार रक व से सित होने के लिए , उनका शर र म सीधे वेश करना ज़ र है। असुर त यौन संबंध जो एच.आई.वी का ाथमिक संचरण माग है , बहुत चचित है। पर तु इस लेख म हम एच.आई.वी के सीधे र के र से स पक ारा संचरण का ववरण करगे , जो पूरे एच.आई.वी संचरण का ५ - १० % है।

<u>अधिक खतरे वाले एच.आई.वी संचरण माग</u>

र के र से स पक ारा संचरण का अ दकतम खतरा इन लोग को है -- इंजे शन से नशीले दवाओं के उपभो ा , हेमो फलिअ स तथा र - आधान के ा करता। असुर त इंजे शन ारा एच.आई.वी संचरण, पूरे एच.आई.वी संचरण का कर ब ५% है। यह सु ारा नशीली दवाएँ लेते समय या वा त के म इंजे शन लेते समय, एच.आई.वी सित य के ारा दू षत सु का योग करने से होता ह। व यापी माग दशन के अनुसार , सु य और शर र को छेदने वाले उपकरण का पुनः योग करने से पहले , यह बहुत ज़ र है क सुईयां और सी रंज को वीरंजक के ारा रोगाणुह न कया जाए या २० मिनट तक गरम पानी म उबाला जाए. इस म प रछेदन , कान- छेदन , गोदना और सु दाब चि क सा भी शामिल है। दु लू.एच.ओ के अनुसार एच.आई.वी के निवारण का एक तर का है - इंजे शन से नशीले पदाथ के उपभोग करने वाल को मु त व आसानी से रोगाणुह न उपकरण जैसे पुनः ना योग करने यो य सु उ ला द कराई जाएं , जससे उ ह हर बार नयी सुई योग करने का बडावा मिले।

एच.आई.वी धू षत र से र - आधान व अ य कोई उपचार करने से एच.आई.वी का संचरण हो सकता है। बहुत से देश म दान करे गए र के उपयोग से पहले उसक एच.आई.वी जांच होती है पर तु कई देश म यह सु वधा उपल ध नह ं है। इस के इलावा वो लोग जो ऐसे गति वधिय म लि रहत ह जनसे , एच.आई.वी से सित होने का खतरा यादा है, उ ह र , ला मा ,इं क

पदाथ व वीय का दान नह करना चा हए   यूं क इससे उ ह   हन करने वाले लोग म एच.आई.वी के वषाणु के संचरण का खतरा ह l आज कल र   क सकत जांच के कारण बहुत से देश म र   - आधान अपे   ाकृत सुर   त है l ले कन पहले से ह एच.आई.वी से   सित लोग, इन नए नियम व मागदशन   ारा नह बच पाए l हाल ह म पता चला है क चीन म कस ह   तक र   से र   ारा एच.आई.वी का संचरण हुआ है l "द इकोनोमि ट" के प कार ने बताया है क १९९० के शु आत म चीन म   थानीय अधिका रय ने लोग को र   दान   ारा आमदनी बढाने के लिए बडावा दया l परंपरागत   प से चीनी लोग का मानना है क र   दान से मनु य कमज़ोर हो जाता ह l इस के कारण अधिका रय ने र   म से   ला मा निकाल कर र   को वापस र   दाताओं म डाल दया l पहले सारा जमा र   एक साथ एक   त कया गया और इस के बाद र   दाताओं को वो र   वापस डाला गया जो अलग-अलग लोग से लिया गया था और जसक एच.आई.वी जांच भी नह हुई थी l इसके कारण कर ब ५५००० लोग एच.आई.वी से   सित हो गए और १३०००० लोग बाद म अ पताल म इस तरह के र   से र   - आधान   ारा एच.आई.वी से   सित हो गए l जन   वा थ क इस वपदा क अनु   या म चीन क के   सरकार ने र   आधान म स   त नियम लगाये और एच.आई.वी से   सित लोग को मु   त दवईयाँ बांट l

<u>कम ख़तरे वाले एच.आई.वी संचरण माग</u>

  वा   य कमिय म , सुई व अ य नोक ले उपकरण से चोट के   ारा एच.आई.वी से   सित होने क   यूनतम स भावना ह । इन   यूनतम संभावनाओं के निवारण के लिए बहुत सारे तर के उपल ध ह , जैसे दुघटना के बाद ए स- वरोधी उपचार लेना। एच.आई.वी   सित लोग के साथ रहने से भले ह एच.आई.वी संचरण क स भावना   यूनतम ह फर भी कुछ आसन सावधानियाँ भारतना ज़ र ह . र   , खुली छूट , खूनी द त या खूनी उलट के स पक से एच.आई.वी का वषाणु फ़ैल सकता ह। चोट को साफ कपडे या प ट से ढकना और रबड़ , लाते स या   ला   टक के द ताने पहनना - ऐसे कुछ निरोधक उपाय ह। इस के साथ साथ अ सर हाथ को धोना चा हय और उ तरा व दांत साफ करने के ुश क आपस म अदला बदली से बचना चा हए।

बंद मुंह से आक   मक मिलन या सामा जक चु मन से एच.आई.वी के संचरण का खतरा नह है l खुले मुंह से चु बन से भी एच.आई.वी के संचरण का खतरा बहुत कम ह   यूं क सामा यता उसमे र   से र   का स पक नह होता l दुभा यवश ए स के ल   ण के बाद क अव था म मुंह म घाव (अ सर) हो जाते ह व मसूड से खून आने लगता है l ऐसी हालत म मुंह म र   से र   के स पक का खतरा बढ़ जाता है , जससे एच.आई.वी का संचरण हो सकता है l इसी संदभ म रोग नियं ण के   ने १९९७ म कुछ घटनाएं   काशित कर   जन म मनु य के काटने से र   के र   से स पक   ारा एच.आई.वी का संचरण हुआ l मनु य के काटने क ऐसी बहुत से रपोट ह , जनसे एच.आई.वी का संचरण नह हुआ l इस से ये साफ होता है के मनु य का काटना , एच.आई.वी संचरण के सामा य तर क म से नह है l पर तु काटने क हर घ भीर   थति म डा टर जांच ज़ र करानी चा हए l

एच. आई.वी संचरण के मनगढ़ त माग

म छर के काटने व खून चूसने से एच. आई.वी संचरण पर बहुत अनुसंधान हुआ है। उन इलाक म जहाँ एच. आई.वी का बहुत फैलाव है और बहुत सं या म म छर ह, वहाँ भी एच. आई.वी बड़े पैमाने म नह ं फैला है। इस कारण जानकार ने यह नि कष निकाला है क म छर के काटने से एच.आई.वी का संचरण नह ं होता। इस का मु य कारण यह है क काटने के समय म छर केवल अपना थूक भीतर फकते ह, जो चिकना करने वाली व तु क तरह काम करता है, और जस के कारण म छर निपुणता से खून पी पाता है। इस या म र क बदली नह ं होती। थूक से मले रया व पीले बुखार जैसी बीमा रयाँ फैल सकती ह। ले कन यूं क म छर के काटने से र का र से स पक नह ं होता , इस लिए म छर के काटने से एच. आई.वी का संचरण नह ं हो सकता। इस के अलावा आंसू, खून , पेशाब व बलगम म एच. आई.वी के वषाणु पाए जाने के बावजूद भी, इनके स पक म आने से एच. आई.वी का संचरण नह ं पाया गया।

निवारण के तर के

इस लेख म र के र से स पक ारा व थ य म ऐच. आई.वी संचरण के मु य माग व ऐच. आई.वी के निवरण व बचाव के मु य तर के बताये गए ह। एक बार फर से दोहराने के लिए : र आधान से पहले दान कये गए खून क जांच ज़ र कर, तेराइल सुइय व अ य नोक ले उपकरण का योग तभी कर जब वह इलाज के लिए ज़ र हो और उनका योग करते समय वा थ समंधित सावधानियाँ बरतनी चा हए। सबसे ज़ र है क ऐसे हर उपकरण को जो काटने, छेदने या खाल म घुसने के लिए उपयोग कये जाते ह , उ ह पहले अ छ तरह रोगाणु मु कया जाया व योग के बाद उ ह सावधानी से सुर त ड ब म रख कर बच क पहुँच से दूर फकना चा हए। ड लू.ऐच.ओ व अ य व यापी सं थाएं बड़ सं या म नए ऐच. आई.वी संचरण को रोक रह ं ह। इसके लिए ये सं थाएं इंजे शन से नशीले दवाओं के उपभोगताओं का इलाज करती ह, सुइय के सावधानी से आदला बदली के सफल काय म चलाती ह और दुबारा ना इ तेमाल करने यो य सुइयाँ बाँटती है। ये सब कदम, ऐच. आई.वी, गैर कानूनी नशीली पधाथ और असुर त स भंद के जाल जो तोड़ने का काम करते ह। एच.आई.वी से सित, नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले, पैसे कमाने के लिए वै या ती म लि ह जाते ह और वै याएं जीवन का सामना करने के लिए नशीली दवाओं का उपयोग करने लगती ह। यह च एच.आई.वी के अधिक खतरे वाले बहुत से समुदाय को जोड़ता है और इस के कारण देश म एच.आई.वी का संचरण और बढता है। सारांश म कहा जाये तो – र के र से स पक ारा भले ह ५-१० % एच. आई.वी का संचरण होता है, पर इसे नज़र अंदाज़ नह ं कया जा सकता। एच. आई.वी संचरण के इस ज टल जाल म संचरण के हर माग को काबू म लाना होगा, तभी एच. आई.वी के व यापी फैलाव को कम करने म ठोस भाव पड़ेगा। उन सामा जक प र तथिय , बताव व नीतिय को समझना होगा जनसे, एच. आई.वी का र के र से स पक ारा संचरण होता है और उ ह समज कर उ ह स ती से बदलना होगा।